

प्रेषक,

अजय सिंह नबियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 26 जून 2007

विषय : वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिए आयोजनागत मदों में लेखानुदान द्वारा स्वीकृत धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष के पत्र संख्या 1445/मु0अ0वि0/बजट/बी-1 दिनांक 10.4.07 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के लिए वर्ष 2007-08 में लेखानुदान में स्वीकृत धनराशि में से राज्य योजना तथा केन्द्र पुरोनिधानित योजना के लिये रुपये 1303.55 लाख (रुपये तेरह करोड़ तीन लाख पचपन हजार मात्र) की धनराशि जिसका विवरण संलग्नक पर अंकित है, को मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग के निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जिला योजना से सम्बन्धित कार्यों पर व्यय जिला अनुश्रवण समिति द्वारा स्वीकृत परिचय एवं इसके अन्तर्गत अनुमोदित योजनाओं के अनुसार ही किया जाय।
- 2- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 3- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैण्डर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 5- मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 6- कार्य की समय बद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

- 8- केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं की समस्त धनराशि का समय से उपयोग कर उपयोगिता प्रमाणपत्र भारत सरकार को समय से प्रेषित कर दिया जायेगा ताकि शेष केन्द्रांश शीघ्र अवमुक्त हो सके ।
- 9- त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का उक्त त्रैमास में पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा ।
- 10- आवंटित धनराशि का उपयोग केवल निर्माणाधीन योजनाओं पर ही किया जायेगा ।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के लेखानुदान की अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित उपलेखाशीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामों डाला जायेगा ।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 170/XXVII (2)/2007 दिनांक 26.6.2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्न : यथोक्त ।

भवदीय,

(अजय सिंह नबियाल)
अपर सचिव

संख्या ²²⁴⁶ / 11-2007-03(05) / 07, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, मंत्री सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं पेयजल को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ
- 2- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
- 3- वित्त अनुभाग-2 ।
- 4- श्री एम०एल० पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
- 6- नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
- 7- समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड ।
- 8- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून ।
- 9- गार्ड फाईल ।

संलग्न : यथोक्त ।

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव

क्र.स.	लेखाशीर्षक	आवंटित धनराशि
	राज्य सैक्टर	
1	4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 01-जमरानी बांध 800-अन्य व्यय 02-अन्य रखरखाव व्यय 01-निर्माण कार्य 24-वृहद निर्माण कार्य	37.50
2	16-हरिद्वार में कांवड़ यात्रियों का वैकल्पिक मार्ग 800-अन्य व्यय 02-अन्य रखरखाव व्यय 01-गंगानहर सेवा मार्ग 24-वृहद निर्माण कार्य	58.13
3	4701-मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 052-मशीनरी तथा उपस्कर 03-नवीन सम्पूर्ति 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण 26-मशीनें और सज्जा	1.83 1.83
4	80-सामान्य 003-प्रशिक्षण 03-निर्माण कार्य 42-अन्य व्यय	9.33
5	004-शोध कार्यक्रमों का विस्तार 03-निर्माण कार्य 42-अन्य व्यय	16.67
6	005-सर्वेक्षण तथा अनुसंधान 03-निर्माण कार्य 42-अन्य व्यय	33.33
7	006-परिकल्प तथा प्रशिक्षण संस्थाओं का उच्चीकरण 03-निर्माण कार्य 42-अन्य व्यय	16.67
	योग राज्य सैक्टर	175.29
	केन्द्रपुरोनिधानित योजना	
8	2705-कमान क्षेत्र विकास 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत तथा केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 0101-क्षेत्रीय विकास परियोजनायें (50%केन्द्रीय सहायता) 24-वृहद निर्माण कार्य	204.26
9	05-सिंचाई विभाग की नई योजनायें 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत तथा केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 0195-ए0आई0बी0पी0 की सिंचाई योजनायें (90%केन्द्रीय सहायता) 24-वृहद निर्माण कार्य	924.00
	योग केन्द्रपुरोनिधानित योजनायें	1128.26
	वृहद योग	1303.55

(रुपये तेरह करोड़ तीन लाख पचपन हजार मात्र)

(महावीर सिंह चौहान)
अनुसचिव